

OPEN MIC SHYARI

वो आकार चली गई मेरी जिंदगी से
पर उसका आदत नहीं छूटता
की हर आदत छोड़ चुका हूँ
कमबख्त ये मोहब्बत का नशा नहीं छूटता

उनको मिल गये है
नये चेहरे , नये लोग
शुरू अब नए सफर की कहानी हो गई...
उनका हमसे रिश्ता पुराना था
अब ये बात पुरानी हो गई....

हमें हसरत नहीं कि हम तुम्हें बार-बार देखें
हसरत तो इतनी सी है
हम तुम्हें एक बार देखेंगे और बेशुमार देखेंगे

मुस्कुरा कर जलवे बिखरना
हसनो की आदत बुरी है
दिल ना लगना हुस्न वालो से
ये मचलती कयामत बुरी है
रिश्ता न राखो ज्यादा खास इन से
और सभी की सोहबत बुरी है
लोग कहते हैं विकास से

आग दोनो तरफ हो तो मजा है
वर्ना एक तरफ़ा मोहब्बत बुरी है